

वादीगण :-

1. लतीबो बेवा नसीर खां जाति मुसलमान निवासी मेघावास तह० पंचपदरा जिला
बाडमेर

बनाम

प्रतिवादीगण :-

1. हमीदा खां कासम खां जाति मुसलमान
2. सकुरखा पुत्र कासम खां
3. होती खां पुत्र कासम खां
4. लुकमानखां पुत्र कासम खां
5. मृतक मुबिनखां के कायम मुकामात
- 5/1 अब्बासखां पुत्र मोबिन खां
- 5/2 भूरेखां पुत्र मोबिन खां
तमाची खां के कायम मुकामात
- 6/1 धीया बेवा तमाचीखां
- 6/2 दौने खां पुत्र तमाची खां
- 6/3 भवरे खां पुत्र तमाचीखां
- 6/4 सलीम खां पुत्र तमाचीखां
- 6/5 ईकबाल खां पुत्र तमाची खां
- 6/6 मुने खां पुत्र तमाची खां सभी जातियान मुसलमान निवासीयान मेघावास
तहसील पंचपदरा
7. मरुधर ग्रामिण बैंक शाखा बागावास
8. राजस्थान सरकार जरिये भूमिधारी तहसीलदार पंचपदरा

वाद पत्र अन्तर्गत धारा 88, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955

प्रतिवादीगण :- 1. श्री उमरदीन मेहर वादीगण वकील

निर्णय

दिनांक :- 28-12-2017

वादीनी यह वाद पत्र राजस्व ग्राम मेघावास पटवार क्षेत्र बाणिघावास की राजस्व सीमा में कृषि भूमि खसरा सं 110 रकबा 43.03 बीघा, किस्म बाराणी दोगम अवस्थित रही है। उक्त कृषि भूमि खसरा सं. 110 का रकबा तत्समय 44.03 बीघा रहा है, किन्तु एक बीघा भूमि वादीनी के द्वारा अपने हिससे में से ग्राम पंचायत के हक में समर्पित की। इस वजह से वर्तमान रकबा 43.03 बीघा है। खसरा सं. 110 के सम्बन्ध में तत्समय में खसरा सं. 113, 130, की खतौनी भी शामिल रही है। किन्तु तदोपरान्त दो खसरा सं. 113, 130, का खाता वर्तमान खतौनी से जुदा हो चुके हैं, जुदा हो चुके खातों में किसी प्रकार का विवाद नहीं होने से उक्त खसरा के बारे में वर्तमान वाद में कोई अनुमान नहीं चाहा गया है, वर्तमान वाद में मात्र खसरा सं. 110 के सम्बन्ध में ही गलत इन्द्राज होने की वजह से दुरुस्ती का अनुतोष चाहा गया है कि खसरा सं. 110 रकबा 44.03 बीघा भूमि के तत्समय में 1/2 हिस्से के खातेदार कासमखां वल्द हालिम खां तथा 1/2 नसीरखां पुत्र चीनेखां का रहा। प्रतिवादी सं. 1 ता 6/6 के हकपूर्वाधिकारी कासम खां रहे हैं, तथा वादीनी नसीर खां की पत्नी हैं, उक्त फौतगी एवं संवत् 2060-63 तक की जमाबंदी अनुसार रेकॉर्ड में सही इन्द्राज रहा, किन्तु उसके बाद बनी जमाबंदी संवत् 2064-67 में बिना किसी आधार एवं पर्याप्त हेतुक के राजस्व रेकॉर्ड में वादीनी का जो 1/2 हिस्सा था को कम करते हुए प्रतिवादी सं. 1 ता 6/6 के साथ उनके 1/2 हिस्सा दर्ज कर दिया, जबकि सभी प्रतिवादीगण एवं उनके हकपूर्वाधिकारी का 1/2

सिद्धांत ही रहा है। वादीनी या वादीनी के हकपूर्वाधिकारी ने कभी भी खसरा सं. 110 में अपने 1/2 हिस्से की भूमि में से हक, हित या हिस्सा न तो बेचान किया और न ही ऐसी कोई नोबल ही आई है। कि यह सुरथापित सिद्धान्त है कि खातेदार टीनेन्ट का हिस्सा बिना विधिक प्रक्रिया यानि बयान, बयसीस, रहन, ट्रांसफर के माध्यम से ही या सक्षम कोर्ट के निर्णय डिक्ली के आधार पर ही खातेदार के हिस्से को परिवर्तित किया जा सकता है, अन्य किसी आधार पर नहीं, जबकि वर्तमान प्रकरण में ऐसा कुछ नहीं है। राजस्व रेकॉर्ड में दर्ज गलत प्रविष्टि में सुधार हेतु वादीनी की ओर से प्रतिवादी सं. 1 ता 6/6 को सहमति से दुरुस्त करने का निवेदन किया किन्तु एकबार तो सभी प्रतिवादीगण सहमत हो गये, तत्पश्चात् उनकी नियम में लालच आने से ऐसा करने से मना कर दिया और रेकॉर्ड में दर्ज गलत इन्द्राज की वजह से आगे बेचान करने हेतु उतारू हुए, जबकि वादीनी को बिना किसी रोक-टोक के निरन्तर कब्जा 1/2 हिस्से की भूमि की पूर्व की भांति निरन्तर कायम है, रेकॉर्ड में गलत इन्द्राज होने से वादीनी के हक संशय में पड़ गये ऐसी स्थिति में रेकॉर्ड में हुई उक्त त्रुटि में दुरुस्ती कर वादीनी के नाम वर्तमान खतौनी में दर्ज रकबे में 421/863 हिस्सा जशये दुरुस्ती दर्ज करवाना आवश्यक हो गया है। जिस हेतु वादीनी ने वाद पेश कर निवेदन किया है।

दावा दिनांक 29.11.2017 को जरिये रजिस्टर्ड नोटिस कर प्रतिवादीगण के विरुद्ध सम्मन जारी किये किया गया, प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 7 को जारी सम्मन बाद तामिल के बावजूद अनुपस्थित रहने से उक्त विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही अमल की गयी है। वादीनी ने दिनांक दिनांक 19.12.2017 को पी.डब्ल्यू-1 शपथ पत्र अन्तर्गत आदेश 18 नियम 04 सी.पी.सी हेतु मुख्य परीक्षण पेश किया व वादीनी लतीबो के साक्ष्य बयान कलमबद्ध कर शामिल किया गया। दावे के साथ प्रमाणित प्रतिलिपी जमाबंदी खतौनी प्रदर्श इएक्स-3 से इएक्स 14 हैं। हल्का पटवारी के द्वारा की गई रिपोर्ट की प्रमाणित प्रतिलिपि इएक्स-15 है।

दोनों पत्रावली का अध्ययन किया तथा वादी वकील की एकपक्षीय बहस सुनी।

राजीव के अधिवक्ता की बहस को सुना, पत्रावली एवं संलग्न दस्तावेज का अवलोकन व अध्ययन किया। बाद गौर वादीनी का वाद स्वीकार किया जाता है।

अतः वादीनी का वाद स्वीकार कर सरहद मौज मेघावास के खसरा सं. 110 रकबा 43.03 तथा वादीनी का 421/863 हिस्से का खातेदार घोषित किया जाता है इसी प्रकार रेकॉर्ड में दुरुस्ती किया जावे और शेष 1/2 हिस्से की प्रविष्टिया प्रतिवादीगण सं. 1 ता 6/6 के नाम रखी जावे। प्रतिवादीगण वादीनी के हिस्से की कृषि भूमि में कोई दखल हस्तक्षेप बाधा अवरोध कारित नहीं करे। वाद व्यय पक्षकार अपना अपना वहन करें।

आदेश जारी हो।



निर्णय आज दिनांक 28-12-17 को सुनाया गया।

(मंगीरथ राम)
सहायक जिला अधिकारी
(S.D.O.) बालोहरा

(S.D.O.) बालोहरा

डिगरी व मुकद्दमें इज्तवाई

(सर्कार 20, कल 6-7, जाम्ता बीवानी)

(Civil Procedure Code, Appendix 'D'-1)

प्राज अदालत जोधपुर मुकाम जोधपुर

बदलावा श्री अमरीन मोर वकील के विरुद्ध

हकीम मोर अमरीन बनाम 1. हकीम मोर अमरीन मुसलमान

मुसलमान विरुद्ध मोर अमरीन 2. अमरीन मोर अमरीन मुसलमान

3. मोरी मोर अमरीन मुसलमान

4. अमरीन मोर अमरीन मुसलमान

दामा बामत अमरीन मोर अमरीन मुसलमान

मुकद्दमा नं 203 तन 2017

यह मुकद्दमा प्राज वास्ते इनाफितान कतई कबर हकीम

व हाजरी श्री अमरीन मोर वकील मिनजानिव मुहदं व ✓

मिनजानिव मुदायलह पेश होकर हुनम दिवा जाता है व डिगरी दी जाती है कि

अमरीन मोर अमरीन मुसलमान 110 43-23
अमरीन मोर अमरीन मुसलमान 110 43-23
अमरीन मोर अमरीन मुसलमान 110 43-23
अमरीन मोर अमरीन मुसलमान 110 43-23

खर्चों इस मुकद्दमें के मय मूद व शरह कोसरी सालाना प्राज की तारीख

से तारीख बयूजयाबी तक को घटा करे।

बसन्त मेरे दस्तखत व मुहर बदालत के प्राज तारीख 28 माह 12 2017

को जारी की गई।

मुहर



दस्तखत अमरीन मोर अमरीन मुसलमान
 मोहवा (S.D.O.) बालोतरा

मुहर	रकम	वे.	मुदायला	रकम	वे.
स्टाम्प अरजोदाबा	4	00	स्टाम्प बकालतनामा		
स्टाम्प बकालतनामा	8	00	स्टाम्प अरजो		
स्टाम्प बजह सबूत			महनताना वकील) पर		
महनताना वकील			खर्चा गवाहान		
खर्चा गवाहान			फीस कमिशनर		
फीस कमिशनर			बाबत इजराय हुकमनामा		
बाबत इजराय हुकमनामा			मुतफरिफ		
मुतफरिफ	8				
मीजान	13	00	मीजान		

नोट :- इस खर्चों के फार्म पर कुल खर्चा हर फरीकन का बाहे डिगरी के जरिये दिलावा गया हो या नहीं दर्ज करना चाहिये।

अधिकारी (S.D.O.) बालोतरा